W-S-

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

राज्य परियोजना कार्यालय,

उ0प्र0 सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद्, विद्या भवन, निशातगंज, लखनऊ -226 007

सेवा में,

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,

सर्व शिक्षा अभियान,

समस्त जनपद, उ0प्र0।

पत्रांकः रा0प0नि0/ 4764 /2011-12 लखनऊ, दिनांक : 19 दिसम्बर, 2011

विषयः कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (के0जी0बी0वी0) में प्री-इंटीग्रेशन कैम्प की बालिकाओं के पंजीयन एवं शिक्षण के संबंध में।

महोदय,

जनपद गोरखपुर के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (के0जी0बी0वी0) खोराबार में माह जुलाई, 2010 में प्री-इंटीग्रेशन कैम्प की 12 श्रवण अक्षम एवं 12 दृष्टि अक्षम - कुल 24 बालिकाओं का कक्षा-6 में नामांकन कराया गया जिनको सामान्य बालिकाओं के साथ शिक्षा प्रदान की गई। इन बालिकाओं को विशेष सपोर्ट देने के लिए 02 इटीनरेंट टीचर्स को के0जी0बी0वी0 से संबद्ध किया गया तथा आवश्यकतानुसार आवश्यक उपस्कर एवं उपकरण भी उपलब्ध कराए गए।

के0जी0बी0वी0 में सामान्य बालिकाओं के साथ स्पेशल टीचर्स के सपोर्ट से इन बालिकाओं ने कक्षा-6 की परीक्षा में सराहनीय प्रदर्शन किया। जनपद गोरखपुर के के0जी0बी0वी0 खोराबार की आख्या आपको इस निर्देश के साथ भेजी जा रही है कि कृपया आप भी अपने जनपद के के0जी0बी0वी0 में प्री-इंटीग्रेशन कैम्प की बालिकाओं का नामांकन कराकर उनकी सुचारु शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

कृपया कृत कार्यवाही से राज्य परियोजना कार्यालय को अवगत कराएं।

संलग्नक : उपरोक्त।

भवदीय,

19/12/11

(पार्थ सारथी सेन शर्मा)

राज्य परियोजना निदेशक

D:\PIC 2011-12\letter to BSAs for the KGBV enrollment 16-12-2011.doc

दूरभाष : 2780995, 2781316, फैक्स : 0522-2781123, 2780998, 2781316 ई-मेल : spdup@rediffmail.com; upefa@upefa.com; upefaspo@gmail.com

जनपद - गोरखपुर

'सर्व शिक्षा अभियान' के अन्तर्गत नित नये प्रयोग हो रहे हैं। इसी श्रृंखला में गोरखपुर जनपद में एक प्रयोग आरम्भ किया गया वर्ष 2010–11 में। यह आधारित है' बालिका शिक्षा' एवं 'समेकित शिक्षा' दो अलग कार्यक्रमों के समन्वय पर। 'बालिका शिक्षा' कार्यक्रम सर्व शिक्षा अभियान की एक महत्वपूर्ण कड़ी है जिसके अन्तर्गत जनपद में कुल 20 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। ये विद्यालय सुदूर ग्रामीणांचल की वंचित, अनाथ एवं अति गरीब तबके की छात्राओं को शैक्षिक सम्बल प्रदान कर नयी दिशा दे रहें है। सर्व शिक्षा अभियान की समेकित शिक्षा का लक्ष्य भी कुछ ऐसा ही है। समेकित शिक्षा के अर्न्तगत जनपद के उपेक्षित और विकलांगता का दंश झेल रहे बच्चों को शैक्षणिक सम्बल प्रदान कर राष्ट्र के सम्मानित नागरिक के तौर पर तैयार किया जा रहा है। इसी कड़ी में अक्षमताग्रस्त गरीब, अनाथ बच्चियों को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में ऐसे ही तबके की सामान्य बच्चियों के साथ शिक्षित किये जाने का प्रयोग जनपद में वर्ष 2010 में आरम्भ किया गया।

जनपद के कस्तूरबा गांधी विद्यालय, खोराबार का संचालन जनपद मुख्यालय के नार्मल परिसर में ही हो रहा है। इस विद्यालय में जुलाई 2010 मे 12 श्रवणबाधित एवं 12 दृष्टिबाधित बच्चियों का नामांकन कक्षा 6 में इस संकल्प के साथ किया गया कि इन्हें सामान्य छात्राओं के साथ, समान वातावरण में ही शिक्षित किया जायेगा। ये बच्चियॉ ऐसे परिवारो की है जिन्हे शिक्षा क्या है, ये भी पता नही। ऐसे में निश्चित ही इन बच्चियों को कस्तूरबा विद्यालय खोराबार तक लाना एक दुरूह कार्य था। इन बच्चियों को नामांकन के लिए विद्यालय में लाने के लिए समेकित शिक्षा से जुड़े दो विशेष अध्यापिकाओं ने अथक प्रयत्न किया। श्रीमती मुन्नन राय ने दृष्टिबाधित एवं सुश्री ज्योति जायसवाल ने श्रवणबाधित बच्चियों को कस्तूरबा गांधी विद्यालय, खोराबार में लाने के लिए कई–कई बार इन बच्चियों के गांवो तक यात्रा की। अभिभावको का मार्गदर्शन किया, उन्हें परामर्श दिया ताकि वे सहमत हो सके अपनी बच्चियों को विद्यालय तक भेजने में। बेसिक शिक्षा विभाग के मुखिया जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री सर्वदानन्द ने प्रशासनिक स्तर से इन अध्यापिकाओं की हर सम्भव सहायता की और निरन्तर उन्हें उत्साहित करते रहे। परिणाम सुखद रहा और कुल 24 बच्चियों ने कस्तूरबा विद्यालय, खोराबार में नामांकन किया और अपनी शैक्षिक यात्रा आरम्भ की।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय, खोराबार में 12 दृष्टिबाधित और 12 श्रवणबाधित बच्चियों का शिक्षण कार्य उस विद्यालय में पढ़ रहीं अन्य सामान्य बालिकाओं के साथ ही हो रहा है। ये बच्चियों रोज अन्य बालिकाओं की तरह तैयार होकर अपनी–अपनी कक्षाओं में उपस्थित होती है। उनके हौसलो से वहॉ की अध्यापिकाओं का भी उत्साह बढ़ता है। ये बच्चियां उस विद्यालय की कक्षा 6 की सामान्य बच्चियों के बगल में बैठकर अपने कक्षाध्यापक से शिक्षा ग्रहण करती है। पाठ्यक्रम बेसिक शिक्षा परिषद का ही लागू है। इस सम्पूर्ण शिक्षण प्रकिया में

उस विद्यालय से सम्बद्ध विशेष अध्यापिका की मार्गदर्शी की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। ये अध्यापिकाये, कस्तूरबा विद्यालयों में नियुक्त अध्यापिकाओं और अक्षमताग्रस्त बच्चियों की हर सम्भव सहायता करती है। इस विद्यालय से सम्बद्ध विशेष अध्यापिकाओं की भूमिका बिन्दुवार निम्नवत् है –

1. बच्चियों के नामांकन हेतु अभिभावक परामर्श, मार्गदर्शन।
2. अक्षमताग्रस्त बच्चियों एवं सामान्य बालिकाओं के मध्य सामंजस्य हेतु संवाद स्थापित करना।
3. कस्तूरबा विद्यालय की अध्यापिकाओं एवं सामान्य बालिकाओं की काउंसलिंग।
4. अक्षमताग्रस्त बच्चियों के कक्ष शिक्षण में सहयोग।
5. अक्षमताग्रस्त बालिकाओं हेतु आवश्यक सामग्रियॉ सहायक उपकरण आदि उपलब्ध करवाना।(जैसे – ब्रेल बुक, ब्रेल लेखन उपकरण, श्रवण यन्त्र आदि)

बालिका शिक्षा के साथ समेकित शिक्षा के समेलीकरण का यह प्रयास इसलिए किया जा रहा है कि ऐसे अक्षमताग्रस्त बच्चों के लिए उनके योग्य वातावरण का सृजन किया जा सके। एक सामान्य विद्यालय में , सामान्य बच्चों के साथ, एक सामान्य परिवेश में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को उनकी आवश्यक एवं मूलभूत सुविधाये उपलब्ध कराना तथा यह अनुभूत करना कि वे भी सामान्य बच्चों की ही भांति है एवं उनकी ही तरह वे भी पढ़ लिख सकती है और अपने सपनो को पूरा कर सकती हैं।

इसके पूर्व इस प्रकार की योजनाओं में ऐसे बच्चों को विद्यालय तक लाया जाता था फिर उनकी आवश्यकताओं का ऑकलन कर उन्हें आवश्यक सामग्रियॉ उपलब्ध करवायी जाती थी। किन्तु इस योजना में ऐसा नहीं है। इसमें बच्चियों के लिए आवश्यक सुविधाओं को निम्नवत् वर्गीकृत किया गया है –

1. सदैव उपलब्ध रहने वाली सुविधायें।
2. आवश्यकता के आंकलन के आधार पर उपलब्ध करायी जाने वाली सामग्रियॉ।

उक्त कस्तूरबा विद्यालय में एक रिसोर्स गैलरी स्थापित की गयी है। इस गैलरी में विशेष आवश्यकता वाले बच्चियों हेतु सदैव उपलब्ध रहने वाली सामग्रियॉ रखी गयी है। उदाहरणार्थ – स्पीचट्रेनर, स्पीच किट आदि जबकि दृष्टिबाधित बच्चियों हेतु ब्रेलर, ज्यामिति किट आदि रखा गया है।

इसके अतिरिक्त विशेष आवश्यकता वाली बालिकाओं को समय–समय पर उनके द्वारा मांगी गयी शैक्षिक सामग्रियॉ। जैसे स्टाइलस, ब्रेल–स्लेट, ब्रेल पेपर आदि विशेष अध्यापिकाओं द्वारा उपलब्ध करायी जाती है। इसके अतिरिक्त श्रवणबाधित बालिकाओं के कानो की जाँच कर हियरिंग एड उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त दृष्टिबाधित बालिकाओं को ब्रेल पाठ्य पुस्तके जो कि नार्मल प्रिन्ट बुक का रूपान्तरण होती है, उपलब्ध कराया गया। श्रवणबाधित बालिकाओं को नार्मल प्रिन्ट की पुस्तके उपलब्ध करायी गयी है।

बच्चों की शिक्षण प्रकिया सरल, सुगम एवं रोचक हो इस हेतु शिक्षण अधिगम सामग्रियों की सहायता ली जाती है। यद्यपि की बाजार में अनेकानेक रंगबिरंगी शिक्षण अधिगम सामग्रियॉ उपलब्ध है तथापि इन बच्चों की आवश्यकता के हिसाब से विशेष अध्यापिकाओं द्वारा कक्षावार, विषयवार एवं विषयवस्तुवार शिक्षण–अधिगम सामग्रियॉ। स्वयं बनायी जाती है।

दृष्टिबाधित बालिकाओ हेतु मोटे–पतले धागे, फेविकोल, थर्माकोल आदि की सहायता से स्पर्शीय मॉडल्स बनाये जाते हैं। इन मॉडल्स पर आवश्यक टिप्स ब्रेल में लिखकर चस्पा कर दिए जाते है। जिसे छूकर बच्चियॉ उस टी0एल0एम0 का संज्ञान लेती है।

इसी प्रकार श्रवणबाधित बालिकाओं के लिए आवश्यक माडल्स एवं चार्ट पेपर पर शिक्षण सामग्रियॉ तैयार की जाती है।

इसके अतिरिक्त इस समन्वित कार्यक्रम में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को केन्द्र मानकर उनतक विभिन्न संसाधन पहुंचाये जाते हैं।

इस प्रकार इस प्रयोग में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को केन्द्र में रखकर योजनाये कियान्वित की जा रही है। इस प्रयोग के परिणाम भी आ रहे हैं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, खोराबार में पढ़ रही छात्राओं ने कक्षा 6 की परीक्षा में भी उत्तम प्रदर्शन किया है। इन बच्चियों ने अपने उत्साह और शिक्षा के प्रति अपनी लगन एवं निष्ठा से यह सिद्व करने का भगीरथ प्रयत्न किया है कि यदि उन्हें भी सुविधाओं के साथ–साथ अवसर मिले तो निश्चय ही वे सामान्य बालिकाओं से कमतर नही है। उनमें भी हौसला है, उड़ान भरने का बस उन्हे उड़ने के लिए आकाश चाहिए। निःसन्देह यह एक सफल प्रयोग है, जिसे निरन्तर जारी रखना होगा। आगे ..... और आगे..... बस आगे की अभिलाषा.....।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, खोराबार में श्रेश्ठ प्रद□ान करने वाली बालिकाओं का संक्षिप्त विवरण

नाम	–	कु0 सुमित्रा (दृष्टिबाधित)
पिता का नाम	–	श्री राम बहादुर गुप्ता
पता	–	ग्रा0 टड़वा श्रीरामपुर, पो0 – उरूवा बाजार, विकास खण्ड– उरूवा, गोरखपुर
पिता का व्यवसाय	–	सब्जियो का व्यापार
परिवार	–	1 भाई और 2 बहनें हैं। भाई राजन कक्षा 7 में एवं नेहा 3 में तथा अंजनी 2 में।
शैक्षिक उपलब्धि	–	वर्ष 2008–09 में ब्रिजकोर्स किया। ब्रिजकोर्स से कक्षा 2 उत्तीर्ण किया। तत्पश्चात् वर्ष 2009–10 में पी0आई0सी0 से कक्षा 5 उत्तीर्ण किया। तत्पश्चात कक्षा 6 में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में नामांकन हुआ। ब्रिजकोर्स से पूर्व वह कभी स्कूल नहीं गयी। कक्षा 6 की वार्षिक परीक्षा में 78.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रही।
घरेलू वातावरण	–	गांव में पक्का मकान है।
अन्य योग्यतायें	–	ब्रेलर का अच्छी तरह प्रयोग कर लेती है। ब्रेल के कान्ट्रक्शन्स एवं शब्द संक्षेप अच्छी तरह आते हैं। इसके अतिरिक्त उसे नृत्य एवं संगीत में रूचि है।

नाम	–	मीरा कुमारी (दृष्टिबाधित)
पिता का नाम	–	श्री राकेश
पता	–	ग्रा0 डुमरी, पो0 बांसगांव, विकास खण्ड–बांसगांव, गोरखपुर
पिता का व्यवसाय	–	राजगीर का कार्य।
परिवार	–	3 भाई और 2 बहनें हैं। अनूप टायल्स का काम करता है। सूरज कुमार 8 का छात्र है। आनन्द कुमार 5 में पढ़ता हैं। बहन नीलम बी0ए0 की छात्रा है।
शैक्षिक उपलब्धि	–	वर्ष 2008–09 में ब्रिजकोर्स किया। ब्रिजकोर्स से कक्षा 2 उत्तीर्ण किया। तत्पश्चात् वर्ष 2009–10 में पी0आई0सी0 से कक्षा 5 उत्तीर्ण किया। तत्पश्चात कक्षा 6 में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में नामांकन हुआ। कक्षा 6 की वार्षिक परीक्षा में 75.9 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान पर रही।
घरेलू वातावरण	–	गांव में अधूरा पक्का मकान है।
अन्य योग्यतायें	–	ब्रेलर का अच्छी तरह प्रयोग कर लेती है। ब्रेल के कान्ट्रक्शन्स एवं शब्द संक्षेप अच्छी तरह आते हैं। इसके अतिरिक्त उसे नृत्य एवं संगीत में रूचि है।

नाम	–	कंचन (श्रवणबाधित)
पिता का नाम	–	श्री राममिलन सिंह
पता	–	ग्रा0 केशवपुर, विकास खण्ड–सहजनवां, गोरखपुर
पिता का व्यवसाय	–	राजगीर का कार्य।
परिवार	–	2 भाई एवं 1 बहन है। भाई हनुमान कक्षा 6 में और अमित 5 में पढ़ता है। बहन वन्दना कक्षा 7 में पढ़ती है।
शैक्षिक उपलब्धि	–	वर्ष 2008–09 में ब्रिजकोर्स किया। ब्रिजकोर्स से कक्षा 3 उत्तीर्ण किया। तत्पश्चात् वर्ष 2009–10 में पी0आई0सी0 से कक्षा 4 उत्तीर्ण किया। ब्रिजकोर्स के पहले गांव के प्राइमरी विद्यालय में नाम लिखवा कर कभी स्कूल नहीं गयी। कक्षा 6 में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में नामांकन हुआ। कक्षा 6 की वार्षिक परीक्षा में 64.00 प्रतिशत अंक प्राप्त किया।
घरेलू वातावरण	–	गांव में कच्चा मकान है।
अन्य योग्यतायें	–	कंचन को कढ़ाई एवं ज्वेलरी मेकिंग का शौक है। पेन्टिग में भी उसकी रूचि है। मेंहदी प्रतियोगता में भाग लिया। नृत्य आदि में भी उसकी रूचि है।

नाम	–	रूबी (श्रवणबाधित)
पिता का नाम	–	श्री अक्षय कुमार सिंह
पता	–	ग्रा0 जोगियाकोल, पो0–सहजनवां, विकास खण्ड–सहजनवां, गोरखपुर
पिता का व्यवसाय	–	कृषि कार्य।
परिवार	–	1 भाई एवं 1 बहन है। भाई योगिन चन्द्र सिंह कक्षा बी0ए0 में और बहन प्रियंका सिंह कक्षा बी0ए0 में पढ़ती है।
शैक्षिक उपलब्धि	–	वर्ष 2007–08 में ब्रिजकोर्स किया। ब्रिजकोर्स से कक्षा 3 उत्तीर्ण किया। तत्पश्चात् वर्ष 2009–10 में पी0आई0सी0 से कक्षा 5 उत्तीर्ण किया। ब्रिजकोर्स के पहले गांव के प्राइमरी विद्यालय में कक्षा 2 तक पढ़ी और विद्यालय छोड़ दिया। कक्षा 6 में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में नामांकन हुआ। कक्षा 6 की वार्षिक परीक्षा में 65.20 प्रतिशत अंक प्राप्त किया।
घरेलू वातावरण	–	गांव में अधूरा पक्का मकान है।
अन्य योग्यतायें	–	रूबी को कढ़ाई एवं ज्वेलरी मेकिंग का शौक है। पेन्टिंग में भी उसकी रूचि है। मेंहदी प्रतियोगता में भाग लिया। नृत्य आदि में भी उसकी रूचि है।